दादी जानकी बनी ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका

शान्तिवन, आबू रोड, 28 अगस्त। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणी के देहावसान के बाद पश्चिमी देशों में अध्यात्म की पताका लहराने वाली राजयोगिनी दादी जानकी संस्था की मैनेजिंग कमेटी तथा गवर्निंग बोर्ड ने सर्व सम्मति से संस्था की मुख्य प्रशासिका नियुक्त किया है। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी जी को अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका तथा युवा प्रभाग की अध्यक्षा दादी रतनमोहिनी जी को संयुक्त मुख्य प्रशासिका के कार्यभार की जिम्मेदारी दी गयी है। दादी जानकी जी पहले से ही ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका थी।

उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रवक्ता ब्र. कु. करूणा ने बताया कि दादी जानकी जी का जन्म सन् 1916 में सिन्ध प्रान्त में एक धार्मिक परिवार में हुआ था। वे 1936 में संस्था के प्रारम्भ से ही जुड़ी थी और संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा तथा परमात्मा शिव के निर्देशन में आपने जीवन में आध्यात्मिक ऊंचाईयों को प्राप्त किया। दादी जानकी जी को उनकी योग्यताओं को देखते हुए संस्था द्वारा सन् 1974 में विदेश की सेवाओं अर्थ ब्रिटेन भेजा गया था। तब से लेकर आज तक अपनी त्याग, तपस्या और अथक सेवा से आपने भारत से बाहर पश्चिम के 129 देशों में ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्रों का संचालन करती रही हैं। दादी जानकी ने भौतिक प्रधान समय में देशों में आध्यात्मिक जागृति फैलाकर आदि भारतीय संस्कृति की पहिचान दी। दादी जानकी सहज राजयोग और आध्यात्मिक ज्ञान से अध्यात्म के क्षेत्र में इतनी उंच स्थिति को प्राप्त किया कि उन्हें यू. एस. ए. में टेक्सास यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 'मोस्ट स्टेबल माईण्ड इन दी वर्ल्ड' के खिताब से नवाजा।

ज्ञातव्य है कि प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक गैर सरकारी आध्यात्मिक शैक्षणिक संस्थान है। भारत सहित पूरे विश्व के 130 देशों में 8 हजार सेवाकेन्द्र के माध्यम से मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना संलग्न है । संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक परिषद और युनिसेफ में सलाहकार का दर्जा प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति वर्ष को मनाने में दिये विशिष्ट योगदान के लिए 7 शान्ति दूत पुरस्कार प्राप्त हुए है। पूरे विश्व में आठ लाख से भी ज्यादा लोग इस संस्था से जुड़े जिन्हें ब्रह्माकुमार तथा ब्रह्माकुमारी के नाम से जाना जाता है।